CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper - 03

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- पॉच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

Section A

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (10)**

   आधुनिक युग में योग का महत्त्व बढ़ गया है। इसके बढ़ने का कारण व्यस्तता और मन की व्यग्रता है। यदि मनुष्य शारीरिक रूप से स्वस्थ है, तो वह संसार में रहकर जीवन का सुख भोग सकता है और अपने सभी कर्तव्यों एवं मनोकामनाओं को पूर्ण कर सकता है। शरीर ही वह माध्यम है, जिसके द्वारा हम अपने सभी कामों को संपन्न कर सकते हैं। इसलिए अपने शरीर को स्वस्थ रखना हमारा प्रथम कर्तव्य है, जिसे योग द्वारा स्वस्थ बनाया जा सकता है।

   21 जून, 2015 को प्रथम बार संपूर्ण विश्व में विश्व योग दिवस' मनाया गया। इसके साथ ही यह घोषणा भी की गई कि प्रत्येक वर्ष 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मनाया जाएगा। योग प्राचीन समय से ही भारतीय संस्कृति का अंग रहा है। हमारे पूर्वजों ने बहुत समय पहले ही इसका आविष्कार कर लिया था और इसके महत्त्व को पहचान लिया था। इसलिए योग पद्धति सदियों बाद भी जीवित है। योग करने से न केवल तन की थकान दूर होती है, बल्कि मन की थकान भी दूर होती है। योग करने वाला व्यक्ति अपने अंग-प्रत्यंग में एक नए उत्साह एवं स्फूर्ति का अनुभव करता है। योग करने से शरीर के प्रत्येक अंग में रक्त का संचार सुचारु रूप से होता है तथा शरीर रोगमुक्त रहता है। अतः योग दिवस का उद्देश्य संपूर्ण विश्व में योग से प्राप्त होने वाले लाभों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। मनुष्य को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में योग पूर्णत: सक्षम है।

   i. आधुनिक युग में योग का महत्त्व क्यों बढ़ है? स्पष्ट कीजिए। (2)
   ii. प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर योग के महत्त्व को समझाए। (2)

iii. प्राचीन भारत में भारतीय संस्कृति के अंतर्गत योग की क्या भूमिका थी? संक्षेप में बताइए। (2)

iv. मानव शरीर के लिए योग क्यों आवश्यक है ? स्पष्ट कीजिए। (2)

v. निम्नलिखित शब्दों में समानार्थी लिखिए **संसार, प्राचीन**। (1)

vi. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)

2. पद और पदबंध में क्या अंतर है? एक उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। **(1)**

3. नीचे लिखे वाक्यों में से **किन्हीं तीन** वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर रूपांतरण कीजिए : **(1x3=3)**

i. ग्वालियर में हमारा एक मकान था, उस मकान के दालान में दो रोशनदान थे। **(मिश्र वाक्य में)**

ii. तताँरा ने विवश होकर आग्रह किया। **(संयुक्त वाक्य)**

iii. आप जो कुछ कह रहे हैं वह बिलकुल सच है। **(सरल वाक्य)**

iv. प्रैक्टिकल आइडियलिस्टों के जीवन से आदर्श धीरे-धीरे पीछे हटने लगते हैं। **(मिश्र वाक्य में)**

4. I. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए- (2)

i. ईश्वरदत्त

ii. यथाशक्ति

iii. अपना-पराया

II. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह को समस्त पद में परिवर्तित करके समास का नाम लिखिए- (2)

i. नहीं है रहम जिसमें

ii. दाल और रोटी

iii. दो सूतों के मेल का

5. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए- **(4)**

i. एक गर्म गिलास दूध पीकर सो जाओ।

ii. क्या आप समाचार सुने हैं?

iii. हम भी अध्यापक बनने के लिए फॉर्म भरे हैं।

iv. रमेश और ममता घूमने गईं।

v. पिता जी ने पुस्तक पढ़ा।

6. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए- **(4)**

i. रोशन इतना निर्लज्ज है कि अपने पिताजी की मृत्यु के समय भी अपना _____ लगा रहा।

ii. रोहन मेरा पैसा काफ़ी समय से नहीं दे रहा है, लगता है। _____ पड़ेगा।

iii. एक तो वह पुलिस से पिटा और ऊपर से तुम्हारे पिताजी ने उसे खरी-खोटी सुनाकर उसके _____ दिया।

iv. मेरा वचन _____ है। मैं अपने वादे से हटूँगा नहीं।

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

    i. मोनुमेंट के नीचे सभा क्यों की जा रही थी? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए।

    ii. कर्नल ने सवार पर नज़र रखने के लिए क्यों कहा? 'कारतूस' पाठ के आधार पर बताइए।

    iii. बादशाह सुलेमान के व्यक्तित्व की विशेषताओं का वर्णन संक्षेप में कीजिए। 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए।

    iv. गाँधी जी आदर्शवादी थे या व्यवहारवादी? पतझर में टूटी पत्तियाँ पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

8. “जीवन की समझ व्यावहारिक अनुभव से आती है"-बड़े भाई साहब के इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? उदाहरण सहित बताइए। **(5)**

OR

वामीरो घर पहुँचकर क्या महसूस करने लगी? ततााँरा-वामीरो की कथा के आधार पर बताइए।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

    i. भाव भक्ति को जागीर क्यों कहा गया है? मीरा के पद के आधार पर बताइए।

    ii. बादलों के अचानक पर्वत पर छा जाने के बाद झरनों का कवि ने किस प्रकार वर्णन किया है? 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर बताइए।

    iii. भाव स्पष्ट कीजिए-
    "खींच दो अपने खूँ से ज़मीं पर लकीर
    इस तरफ़ आने पाए न रावन कोई।"

    iv. मनुष्य किसी अन्य को अनाथ समझने की भूल कब कर बैठता है? मनुष्यता कविता के आधार पर बताइए।

10. 'ऐकै अषिर पीव का पढ़ै सु पंडित होम' पंक्ति को आप क्या अर्थ समझते हैं? प्रेम का एक अक्षर सभी ग्रंथों में किस प्रकार भारी है, अपने जीवन के एक अनुभव के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **(5)**

OR

विपदाओं से मुझे बचाओ यह मेरी प्रार्थना नहीं इस पंक्ति से कवि का क्या तात्पर्य है? आत्मत्राण कविता के आधार पर लिखिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **(6)**

i. अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते हैं। कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

ii. टोपी नौवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया। बताइए- टोपी की भावनात्मक परेशानियों को मद्देनज़र रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव सुझाइए।

12. **प्लास्टिक की दुनिया** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **(6)**

- प्लास्टिक का आविष्कार और इसका उपयोग
- प्लास्टिक के गुण एवं दोष
- प्लास्टिक का पर्यावरण पर प्रभाव

OR

ई-कचरा विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- ई-कचरा से तात्पर्य
- चिंता का कारण
- निपटान के उपाय

OR

आलस्य : मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- आलस्य और मनुष्य जीवन
- आलस्य के नुकसान
- सफलता पाने के लिए आलस्य को त्यागना आवश्यक

13. किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर स्वास्थ्य विभाग के लापरवाह रवैये के कारण खाद्य पदार्थों में मिलावट की समस्या गंभीर होने की ओर उनका ध्यान आकर्षित करें। **(5)**

OR

अपने मित्र को पत्र लिखें जिसमें हिंदी का महत्त्व और लाभ बताए गए हों।

14. आपके विद्यालय में वार्षिकोत्सव आयोजित करने पर विचार करने के लिए प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों की एक सभा बुलाई है। इस आशय की सूचना 25-30 शब्दों में जारी करें। **(5)**

OR

आप जिस सोसायटी में रहते हैं वहाँ रहने वाले बच्चों को 26 जनवरी 'गणतंत्र दिवस' पर किसी सांस्कृतिक गतिविधि में

भाग लेने के लिए आग्रह करते हुए सांस्कृतिक अधिकारी की ओर से 20-30 शब्दों में सूचना लिखिए।

15. स्वच्छता-अभियान पर माँ-बेटी के बीच संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। **(5)**

OR

अपने देश में डेंगू के बढ़ते खतरे के विषय में दो मित्रों के मध्य होने वाले संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

16. सुंगधित पदार्थ हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए। **(5)**

OR

किसी गारमेंट्स के मालिक की ओर से कपड़ों की सेल को विज्ञापन 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

CBSE Class 10 - Hindi B
Sample Paper - 03

Answer
Section A

1. i. आधुनिक युग में योग का महत्त्व इसलिए बढ़ा है, क्योंकि आज मनुष्य अपने जीवन में इतना व्यस्त हो चुका है कि वह अपने शरीर व स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पा रहा है।बड़ते व्यस्तता और मन की व्यग्रता के कारण आज योग क महत्त्व बड रहा है | यदि मनुष्य अपने जीवन में सुख भोगना चाहता है तथा अपने सभी कर्तव्यों एवं मनोकामनाओं को पूर्ण करना चाहता है, तो सर्वप्रथम उसे अपने शरीर को स्वस्थ बनाना होगा।शरीर ही वह माध्यम है जिसके द्वारा हम अपने सभी कार्यों को संपन्न कर सकते है |यदि शारीरिक रूप से स्वस्थ है तो हम संसार में रह कर जीवन का सुख भोग सकतें हैं |

   ii. 21 जून, 2015 को संपूर्ण विश्व में विश्व योग दिवस' मनाया गया, जो प्रत्येक वर्ष 21 जून को मनाया जाएगा। शरीर ही वह माध्यम है, जिसके द्वारा मनुष्य सभी कार्यों को संपन्न एवं अपनी मनोकामनाएँ पूर्ण कर सकता है। योग से मनुष्य शरीर में उत्साह व स्फूर्ति का अनुभव करता है।योग करने से शरीर क प्रत्येक अंग में रक्त क संचार सुचारू रूप से होता है तथा शरीर रोमुक्त रहता है |मनुष्य को शाररिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में योग पूर्णतया सक्षम है |

   iii. प्राचीन समय से ही 'योग' भारतीय संस्कृति का अंग रहा है। हमारे पूर्वजों ने बहुत समय पहले ही इसकी उपयोगिता व महत्त्व को पहचान कर इसका आविष्कार कर लिया था, इसीलिए योग पद्धति आज सदियों बाद भी जीवित है।

   iv. मानव शरीर एक मशीन की भाँति है, जिससे मनुष्य अपने जीवन के सभी कार्यों को पूर्ण करता है। योग से शरीर के सभी अंग, प्रत्यंग में उमंग, रक्त का सुचारु रूप से संचार, स्फूर्ति तथा तनावमुक्त व रोगमुवा शरीर का निर्माण किया जा सकता है। मनुष्य को शारीरिक और मानसिक रूप से । स्वस्थ रखने में योग पूर्णतः सक्षम है।

   v.

शब्द समानार्थी	शब्द
संसार	दुनिया
प्राचीन	पुराना

   vi. योग का महत्व

Section A

2. वाक्य में प्रयुक्त किसी स्वतंत्र तथा सार्थक ध्वनि समूह के व्यावहारिक एवं अनुशासित रूप को **पद** तथा वाक्य में व्याकरणिक कार्य करने वाले एक या इससे अधिक पदों के समूह को पदबंध कहते हैं।
   उदाहरण-

i. पिताजी ने मेरे लिए पुस्तकें भेजी है; उपरोक्त वाक्य में पिताजी पद है।

ii. **<u>गाँव से पिताजी</u>** ने मेरे लिए पुस्तके भेजी हैं। यह वाक्य में रेखांकित वाक्यांश पदबंध है।

3. i. ग्वालियर में जो हमारा एक मकान था, उसके दालान में दो रोशनदान थे। / ग्वालियर में हमारा एक मकान था जिसके दालान में दो रोशनदान |

ii. तताँरा विवश हुआ और उसने आग्रह किया।

iii. आपका कहा बिलकुल सच है।

iv. जो प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट होते हैं उनके जीवन से आदर्श धीरे-धीरे पीछे हटने लगते हैं।

4. I. i. ईश्वरदत्त = ईश्वर द्वारा दत्त,ईश्वर के द्वारा दिया गया (चतुर्थी तत्पुरुष समास)

ii. यथाशक्ति = शक्ति के अनुसार (अव्ययीभाव समास)

iii. अपना-पराया = अपना और पराया (द्वंद्व समास)

II. i. रहम नहीं हैं जिसमें - बेरहम (बहुब्रीहि/अव्ययी भाव समास)

ii. दाल और रोटी = दाल -रोटी (द्वंद्व समास)

iii. दो सूतों का मेल = (दो सूतो का समाहार) - दुसूती (द्विगु समास)

5. i. एक गिलास गर्म दूध पीकर सो जाओ।

ii. क्या आपने समाचार सुना है?

iii. मैंने भी अध्यापक बनने के लिए फॉर्म भरा है।

iv. रमेश और ममता घूमने गए।

v. पिताजी ने पुस्तक पढ़ी।

6. i. उल्लू सीधा करने में

ii. टेड़ी अंगुली से घी निकालना

iii. जले पर नमक छिड़क

iv. पत्थर की लकीर

Section C

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

i. अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से 26 जनवरी 1930 को स्वतंत्रता दिन मनाने का आह्वान किया गया था। अगले वर्ष यानी 26 जनवरी 1931 को यादगार बनाने के लिए तथा लोगों में प्रेरणा निर्माण करने के लिए कलकत्ता में मोनुमेंट के नीचे सभा आयोजित की जा रही थी। इस सभा के द्वारा भारत को अंग्रेज़ों की दासता से पूर्ण रूप से मुक्त कराने के लिए शहरवासियों में जागृति निर्माण की जा सकती थी।

ii. कर्नल तथा लेफ्टिनेंट जब रात में अपने खेमे में बैठ कर बात कर रहे थे |तभी एक सिपाही ने आकर एक घुड़सवार के आने की खबर दी | उन्हें लगा कि वह वज़ीर अली का कोई दूत या साथी हो सकता है। रात्रि के समय में एक सवार को इतनी तेज़ी से अपने खेमे की तरफ आते देख कर्नल ने अपने सिपाहियों को सवार पर

नजर रखने को कहा।

iii. बादशाह सुलेमान के व्यक्तित्व की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

i. बादशाह सुलेमान मनुष्यों के साथ-साथ पशु - पक्षियों के लिए भी संवेदना रखते थे |
ii. उनके लिए प्रकृति के सारे जीव एक समान थे ।
iii. वे सभी जीवों से प्रेम करते थे और सभी जीवों की रक्षा के लिए प्रयत्नशील रहते थे ।

iv. गाँधीजी जी आदर्शवादी थे। वे अपने व्यवहार को आदर्शवादिता की ऊँचाई तक उठाना चाहते थे। वे अपने सिद्धांतों से पतित नहीं होते थे न ही दूसरों को पतन की राह पर गिरने देते थे। यदि वे व्यवहारवादी होते तो हमेशा आदर्शों से समझौता करते। वे आदर्शों से व्यवहारवाद की ओर चलते थे। गांधीजी आदर्श में थोड़ा सा व्यावहारिकता मिलाकर अपने जीवन में उतारने का कार्य किया करते थे। इसलिए उन्हें आदर्शवादी कहा जाता है।

8. हम बड़े भाई के इस विचार से पूर्णतः सहमत हैं कि जीवन की समझ व्यावहारिक अनुभव से आती है। पुस्तकीय ज्ञान से हम केवल शिक्षित कहलाते हैं किंतु व्यावहारिक ज्ञान तो अनुभव से ही प्राप्त होता है। अनुभवहीन व्यक्ति की समझ और ज्ञान दोनों अधूरे होते हैं। बड़े भाई साहब के भी यही विचार हैं। उदाहरणस्वरूप हेडमास्टर भले ही पढ़े लिखे हैं किंतु परिवार को चलाने का कार्य उनकी अनपढ़ माँ ही बेहतर तरिके से करती है । लेखक की अम्मा और दादा भले ही कम पढ़े-लिखे हैं, परंतु फिर भी तुझे जीवन की समाज पढ़े लिखो से कहीं अधिक हैं। अतः इसी कारण हम यह कह सकते हैं पुस्तकीय ज्ञान की अपेक्षा व्यावहारिक ज्ञान अधिक महत्त्वपूर्ण है और जीवन की समझ पुस्तकों से नहीं वरन् अनुभव से आती हैं।

OR

वामीरो बेरुखी दिखा कर घर पहुँच गई किंतु वह अपने अंदर बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाज़ा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया परंतु बार-बार तताँरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों के सामने आ जाता था। उसने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था। किंतु वही तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत, सभ्य और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवनसाथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु उसके गांव की परंपरा के अनुसार दूसरे गाँव के युवक के साथ संबंध नहीं बना सकती थी। इसलिए उसने उसे भूल जाना ही ठीक समझा। किंतु यह नहीं हो पाया क्योंकि तताँरा का निर्निमेष याचक की तरह प्रतीक्षा में डूबा हुआ चेहरा उसके सामने से नहीं हट रहा था। वामीरो भी उससे प्रेम करने लगी थी।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

i. किसी भी सच्चे भक्त के लिए सबसे बड़ी जागीर है-उसका भगवान। भगवान को पाने सबसे श्रेष्ठ साधन भक्ति है। मीरा श्री कृष्ण की भाव पूर्ण भक्ति करती हैं। भाव भक्ति के माध्यम से वे अपने श्रीकृष्ण को पा सकती थीं।

इसलिए उनके लिए भाव भक्ति जागीर के समान थी। भाव भक्ति हेतु अपने आराध्य के दर्शन करना, उनके गुणों का स्मरण करना तथा मन में धारणा करना अत्यंत आवश्यक है।

ii. बादलों के अचानक पर्वत पर छा जाने से झरनों का दिखाई देना भी बंद हो गया है, उनकी केवल आवाज़ ही सुनाई दे रही है। पर्वत पर बहते हुए झरने सुंदर मोतियों की लड़ियों के समान लग रहे हैं तथा उनकी आवाज़ नस-नस में जोश भरने वाली महसूस हो रही है। यह एक संगीतमय वातावरण का सृजन कर रहे हैं।

iii. सैनिक अपने देश की युवा शक्ति का आह्वान करते हुए, पौराणिक कथा के माध्यम से उन्हें देश की रक्षा हेतु बलिदान देने के लिए उत्साहित व प्रेरित करता है। वह कहता है कि अपनी सीमाओं पर अपने खून से ऐसी लकीर खींच दो कि किसी 'रावण' को उस ‘लक्ष्मण रेखा' को पार करने के लिए कई बार सोचना पड़े अर्थात् सुरक्षा का घेरा बना दो कि यदि कोई भी विदेशी ताकत इस सीमा का अतिक्रमण करे तो उसे उचित जवाब दो जिससे फिर कोई भारतमाता के आँचल को मलिन करने का दुस्साहस न कर सके। सैनिक युद्ध में इसी प्रकार अपना रक्त बहाकर लकीर खींचते हैं और देश को दुश्मनों से बचाते हैं।

iv. यह मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्ति है कि धन आते ही उसके मन में घमंड का भाव आ जाता है। वह अहंकार पूर्ण बातें और आचरण करने लगता है। धन देखकर कुछ लोग उसकी चाटुकारिता करने लगते हैं। ऐसे में वह धनवान व्यक्ति खुद को बलशाली समझने लगता है। धन और बल का मेल होते ही वह अनैतिक आचरण पर उतर आता है। वह दूसरों को अपने से कमजोर और अनाथ समझने लगता है।

10. इस पंक्ति द्वारा कबीदास ने प्रेम की महत्ता को प्रकाशित किया है। ईश्वर को पाने के लिए एक अक्षर प्रेम का अर्थात् ईश्वर को पढ़ लेना ही पर्याप्त है। बड़े-बड़े पोथे या ग्रन्थ पढ़कर कोई पण्डित नहीं बन जाता। केवल परमात्मा का नाम स्मरण करने से ही सच्चा ज्ञानी बना जा सकता है।
प्रेम का ज्ञान एक प्रकार का व्यावहारिक ज्ञान होता है, जो में मनुष्य से जोड़ने में सहायता प्रदान करता है, परन्तु पोथि पढ़ पर अर्जित किया ज्ञान सैद्धांतिक श्रेणी के अंतर्गत आता है। इस बात का तर्क में अपने जीवन में घटित एक घटना के आधार पर स्पष्ट कर रही हूँ, जो निम्नलिखित है-
कॉलेज जा रहा था। एक बुजुर्ग व्यक्ति पर मेरी नज़र पड़ी। वह सड़क पार करने का प्रयास कर रहा था; परन्तु बारम्बार उसे असफलता मिल रही थी। उसके बगल में सूट-बूट धारण किया व्यक्ति आया, और उसका धक्का देते हुए निकल गया। सामने से एक रिक्शावाला आया, बुर्जुग को उठाया और सड़क पार करवाई। इस उदाहरण से स्पष्ट है कि पोथि पढ़कर भी मनुष्य विद्वान या बुद्धिमान नहीं बन सका; जबकि प्रेम के अक्षर पड़ने वाला रिक्शाचालक एक विद्वान के रूप में हमारे समक्ष प्रस्तुत हुआ है।

OR

विपदाओं से मुझे बचाओ यह मेरी प्रार्थना नहीं' पंक्ति से कवि का तात्पर्य यह है कि वह ईश्वर से यह विनती नहीं करना चाहता कि वे उसके संकटों से उसे बचाए रखें। वह तो मात्र यह चाहता है कि प्रभु उसे ऐसा आंतरिक बल दें कि वह किसी भी कठिन समय में विचलित न हो। प्रभु उसे सहनशीलता, धैर्य तथा बल अवश्य प्रदान करें, ताकि वह किसी भी कष्ट और

संकट से उबर पाए उसे सहन कर पाए। किसीभी परिस्थिति में उसका मन विचलित न हो। कठिन-से-कठिन समय में भी, ईश्वर के प्रति उसके विश्वासऔर श्रद्धा में कमी न आए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

    i. अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखें हैं। उनको इस बात का ज्ञान है कि जब तक उनके पास ज़मीन-जायदाद है, सभी उनका मान-सम्मान करेंगे।ठाकुरबारी के महंत उनको इसलिए समझते हैं क्योंकि वह उनकी जमीं ठाकुरबारी के नाम करवाना चाहते हैं। ठाकुरबारी के महंत उन्हें अपने हिस्से की ज़मीन ठाकुबारी के नाम कर देने का आग्रह कर उन्हें यह समझाते हैं कि ऐसा करने पर उनका गाँव में मान-सम्मान बढ़ जाएगा और उनका परलोक भी सुधर जाएगा। उनके सगे भाई भी उनसे उनकी ज़मीन-जायदाद को अपने नाम करने को कहते हैं और इसके बदले में उनका आदर-सत्कार करते हैं। हरिहर काका ऐसे कई लोगों को जानते हैं जिन्होंने अपने जीते जी अपनी ज़मीन किसी और के नाम लिख दी थी। बाद में उनका जीवन नरक बन गया । वे नहीं चाहते थे की उनके साथ भी ऐसा हो इसीलिए वे जीते-जी अपनी जमीन-जायदाद किसी के भी नाम नहीं करना चाहते।

    ii. परिवार से प्रताड़ित और उपेक्षित टोपी जब एक कक्षा में दो बार फेल हो गया, तब वह स्वयं को भावनात्मक रूप से असुरक्षित महसूस करने लगा। इस दृष्टिकोण से आज की शिक्षा व्यवस्था में विशेष बदलाव की आवश्यकताएँ हैं।

    सर्वप्रथम छात्रों के संवेगात्मक लगाव के विकास की ओर ध्यान देना चाहिए। शिक्षण पद्धति का उद्देश्य सिर्फ परीक्षा पास करना ही नहीं होना चाहिए। प्रत्येक विद्यालय में मनोवैज्ञानिकों की नियुक्ति होनी चाहिए, जिससे वे छोटी उम्र के बच्चों की समस्याओं का निदान कर सकें। लिखित परीक्षा के आधार पर ही नहीं, बल्कि संपूर्ण व्यक्तित्व के आधार पर विद्यार्थी का आकलन किया जाए। माध्यमिक स्तर तक अनुत्तीर्ण होने की पद्धति नहीं होनी चाहिए। अध्यापकों को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए। पढ़ाई में कमज़ोर छात्रों का मजाक उड़ाने की अपेक्षा उनका मनोबल बढ़ाना चाहिए।

Section D

12. **प्लास्टिक की दुनिया**

प्लास्टिक का आविष्कार ड्यू बोयस एवं जॉन द्वारा किया गया था। प्लास्टिक का उपयोग मशीन के कल-पुर्जों, पानी की टंकियों, दरवाज़ों, खिड़कियों, चप्पल-जूतों, रेडियो, टेलीविज़न, वाहनों के हिस्सों, आदि में किया जाता है, क्योंकि प्लास्टिक से बनी वस्तुएँ आसानी से खराब नहीं होतीं। यदि किसी कारण ये टूट-फूट जाएँ, तो इन्हें फिर से बनाकर पुनः उपयोग में लाया जा सकता है।

इनमें मनचाहा रंग मिलाकर इन्हें अधिक आकर्षक भी बनाया जा सकता है। यही कारण है कि प्लास्टिक से बने आकर्षक रंग-बिरंगे फूल असली फूलों से अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं। आज लोगों को बाज़ार से सामान प्लास्टिक के बने आकर्षक थैलों में पैक करके मिलता है।

इसके अनेक उपयोग के बावजूद प्लास्टिक से बनी वस्तुओं से पर्यावरण बुरी तरह दुष्प्रभावित हो रहा है। प्लास्टिक कभी न गलने-सड़ने वाला पदार्थ है, जिसके कारण भूमि, जल, पर्यावरण आदि अत्यधिक प्रदूषित होते जा रहे हैं। अतः हमें प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करना चाहिए, ताकि पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सके।

OR

ई-कचरा

ई-कचरा आधुनिक समय की एक गंभीर समस्या है। वर्तमान समय में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काफ़ी काम हो रहा है। इसके फलस्वरूप, आज नित नए-नए उन्नत तकनीक वाले इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों का उत्पादन हो रहा है। जैसे ही बाज़ार में उन्नत तकनीक वाला उत्पाद आता है, वैसे ही पुराने यंत्र बेकार पड़ जाते हैं। इसी का नतीजा है कि आज कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन, टीवी, रेडियो, प्रिंटर, आई-पोड्स आदि के रूप में ई-कचरा बढ़ता जा रहा है। एक अनुमान के अनुसार एक वर्ष में पूरे विश्व में लगभग 50 मिलियन टन ई-कचरा उत्पन्न होता है। यह अत्यंत चिंता का विषय है कि ई-कचरे का निपटान उस दर से नहीं हो पा रहा है, जितनी तेज़ी से यह पैदा हो रहा है। ई-कचरे को डालने या खुले में जलाने से पर्यावरण के लिए गंभीर समस्याएँ उत्पन्न हो गई हैं, क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों में आर्सेनिक, कोबाल्ट, मरकरी, बेरियम, लिथियम, कॉपर, क्रोम, लेड आदि हानिकारक अवयव होते हैं। इनसे कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ गया है।
अब समय आ गया है कि ई-कचरे के उचित निपटान और पुनः चक्रण पर ध्यान दिया जाए अन्यथा पूरी दुनिया शीघ्र ही ई-कचरे का ढेर बन जाएगी। इसके लिए विकसित देशों को आगे आना होगा और विकासशील देशों के साथ अपनी तकनीकों को साझा करना होगा, क्योंकि विकसित देशों में ही ई-कचरे का उत्पादन अधिक होता है और वे जब-तब चोरी-छिपे विकासशील देशों में उसे भेजते रहते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए पूरी दुनिया को एक होना होगा।

OR

आलस्य : मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु

आलस्य दुःख, दरिद्रता, रोग परतंत्रता, अवनति आदि का जनक है। आलस्य के रहते हुए मनुष्य को विकास और उसके ज्ञान में वृद्धि का प्रश्न ही नहीं उठता। आलस्य को राक्षसी प्रवृत्ति की पहचान कहा जाता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से प्रातःकाल की शुद्ध वायु अत्यंत आवश्यक है। आलसी व्यक्ति इस हवा का आनंद भी नहीं उठा पाते और प्रातःकालीन भ्रमण एवं व्यायाम के अभाव में उनका शरीर रोगग्रस्त हो जाता है। आलसी विद्यार्थी पूरा वर्ष सोकर गुजारता है और परिणाम आने पर सबसे आँखें चुराता है। आलस्य मनुष्य की इच्छाशक्ति को कमज़ोर बनाकर उसे असफलता के गर्त में धकेल देता है। आलसी को छोटे-से-छोटा काम भी पहाड़ के समान कठिन लगने लगता है और वह इससे छुटकारा पाने के लिए तरह-तरह के बहाने तलाशने लगता है।
आलस्य का त्याग करने से मनुष्य को अपने लक्ष्य को निश्चित समय में प्राप्त करने में सफलता मिलती है। जीवन में वही व्यक्ति सफलता प्राप्त कर सकता है, जो आलस्य को पूरी तरह त्यागकर कर्म के सिद्धांत को अपना ले। इस प्रकार मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु आलस्य ही है। यह मनुष्य को पतन के मार्ग पर ले जाता है और कुछ ही समय में मनुष्य का नाश कर

देता है। अतः इसका त्याग करने में ही मनुष्य की कल्याण निहित है।

13. परीक्षा भवन,
उत्तर प्रदेश।
दिनांक 13 मार्च, 2019

सेवा में,
श्रीमान संपादक महोदय,
दैनिक जागरण,
सहारनपुर,
उत्तर प्रदेश।
विषय स्वास्थ्य विभाग के लापरवाह रवैये हेतु।
महोदय,

मैं इस पत्र द्वारा आपका ध्यान स्वास्थ्य विभाग के लापरवाह रवैये की ओर दिलाना चाहता हूँ। हमारे क्षेत्र में तैनात स्वास्थ्य कर्मचारी अपने कर्तव्य से विमुख हो गए हैं। वे कई-कई दिनों तक इधर नहीं आते। यदि थोड़ी देर के लिए आ भी जाते हैं, तो अपना कार्य नहीं करते, बल्कि इसके स्थान पर किसी हलवाई या चाट-पकौड़ी वाले की दुकान पर बैठकर नाश्ता आदि करके वापस चले जाते हैं। इसका परिणाम यह हो रहा है कि दूध की डेयरी, मिष्टान्न भंडारों, किराने की दुकानों आदि में दुकानदार जी भरकर मिलावटी चीज़ों की बिक्री कर रहे हैं और जनता को विवशतापूर्वक इन्हीं चीज़ों को खरीदना पड़ रहा है। इन मिलावटी तथा कम गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों को खाकर सभी बीमार हो रहे हैं। हमने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कई बार अपनी समस्याओं से अवगत भी कराया है, किंतु उन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। इनकी लापरवाही किसी की जान भी ले सकती है।
महोदय, आपसे विनम्र निवेदन है कि आप स्वयं अपने स्तर से इस विषय की जाँच कराने की कृपा करें ताकि हमारी समस्याओं का निवारण किया जा सके।
धन्यवाद।
मार्थी
मोहित

OR

75, कैलाशपुरी
दिल्ली।
दिनांक : 30 मार्च, 2019
प्रिय तृप्ति,
नमस्कार।

अभी पिछले हफ्ते तुम्हारा स्नेहभरा पत्र प्राप्त हुआ। यह जानकार अत्यंत ख़ुशी हुई कि तुमने वार्षिक परीक्षा के लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी है। तुम हिंदी भाषा के विषय में जानना चाहती थी । मैं तुम्हें यह विवरण भेज रहा हूँ।

हिंदी भारत की राजभाषा और राष्ट्रभाषा है। इसका ज्ञान प्रत्येक भारतीय को होना चाहिए। सन् 1965 से केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों में हिंदी में कार्य आरंभ हो चुका है। हालांकि उसके साथ अंग्रेजी में कार्य करने का प्रावधान भी संविधान में किया गया है। भारत सरकार ने निश्चय किया कि केंद्र के सभी कर्मचारियों को शीघ्र प्रबोध, प्रवीण व प्राज्ञ परीक्षाएँ पास कर लेनी चाहिए। ये परीक्षाएँ भारत का गृह मंत्रालय लेता है। जो व्यक्ति स्कूल स्तर तक हिंदी पढ़कर आए हैं, उन्हें इन परीक्षाओं में बैठने की आवश्यकता नहीं है।

हिंदी भारत की संपर्क भाषा भी है। देश में अलग-अलग भाषाएँ बोली जाती हैं। केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों में चाहे वे देश के किसी भी स्थान पर स्थित है, कार्य हिंदी या अंग्रेजी में होता है। इसके अलावा, हिंदी व्यापार की भाषा भी है। सभी धर्मस्थलों पर हिंदी का प्रयोग होता है। हिंदी देश की एकता की कड़ी है। हिंदी विकसित भाषा है। इसका साहित्य विशाल है। उम्मीद है कि तुम हिंदी के महत्त्व को समझ चुके होगे। शेष कुशल है।

आपका दोस्त

गोविन्द

14.

सूचना

श्री गुरुतेग बहादुर विद्या निकेतन

नानक पूरा, दिल्ली

दिनांक .....

सभी विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय में वार्षिकोत्सव आयोजित करने के कार्यक्रम तय करें एवं उससे संबंधित अन्य मसलों/मुद्दों पर विचार विमर्श के लिए आप भोजनावकाश के बाद विद्यालय सभागार में उपस्थित हों। सबकी उपस्थिति अनिवार्य है। वार्षिकोत्सव को सफल बनाने के लिए सभी अपने-अपने सुझाव देने के लिए स्वतंत्र है।

प्रधानाचार्य

ह० . . . . . .

श्री गुरुतेग बहादुर विद्या निकेतन

नानक पूरा, दिल्ली

OR

अग्रदूत सोसायटी, आदर्श नगर, दिल्ली

सूचना

दिनांक 26 दिसंबर, 20XX

गणतंत्र दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने संबंधी सूचना

सोसायटी के सभी बच्चों को सूचित किया जाता है कि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर सुबह 11:00 बजे हमारी सोसायटी के प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में लोक नृत्य प्रतियोगिता व देश-भक्ति की कविताओं की प्रतियोगिता रखी गई है। सभी इच्छुक बच्चे इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। इस आयोजन में भाग लेने की अंतिम तिथि 20 जनवरी, 20XX है।
अभय चौधरी
सांस्कृतिक अधिकारी।

15. **प्रेरणा -** माँ, उधर देखो! कितना कचरा जमा पड़ा है।
माँ - हाँ बेटी! इसी कचरे को साफ करने के लिए वर्तमान प्रधानमंत्री ने स्वच्छता अभियान चलाया है।
प्रेरणा - स्वच्छता अभियान से क्या हमारा मोहल्ला साफ सफ़ाई वाला हो जाएगा?
माँ - हाँ, बेटी! स्वच्छता अभियान में तुमको, मुझे और समस्त मोहल्लेवासियों को भाग लेना पड़ेगा।
प्रेरणा - किस तरह का भाग माँ?
माँ - बेटी, हमें जहाँ कहीं भी गंदगी मिले उसे तुरंत साफ करना होगा। हमें अपने आस-पास के लोगों को स्वच्छता के विषय से अवगत कराना होगा .....और .....
प्रेरणा - ..... और माँ हमें जगह-जगह पर रखे हुए कूड़ेदान का प्रयोग करना होगा।
माँ - हाँ बेटी! अब तुम भी ये बात समझ गई हो। तुम भी अपने दोस्तों को स्वच्छता के विषय से अवगत कराओं और स्वच्छ माहौल बनाने में अपनी भागीदारी निभाओ।

OR

विनय - संयुक्त! तुमने आज का अखबार पढ़ा कि किस प्रकार हमारे देश में डेंगू का खतरा बढ़ता जा रहा है।
संयुक्त - हाँ मित्र मैंने पढ़ा। आए दिन डेंगू के कारण मरने वाले लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है।
विनय - डेंगू ने तो सभी लोगों के दिलों में खौफ़ बैठा दिया है।
संयुक्त - मैंने न्यूज चैनल पर देखा, अस्पतालों में तो मरीजों की हालत बहुत खराब है, वहाँ एक बैड पर दो-दो मरीजों को रखा जा रहा है।
विनय - यह तो बहुत चिंताजनक स्थिति है। इस प्रकार मरीजों का इलाज कैसे संभव है।
संयुक्त - बिलकुल सही कह रहे हो, सरकार को ही इस दिशा में | उचित कदम उठाने चाहिए।
विनय - हाँ, मित्र! जागरूकता और उचित समाधान ही हमारे देश को इस बीमारी से छुटकारा दिला सकते हैं।

16.

"वातावरण को महकाए,
सुंगध ही सुगंध फैलाए,
सबको आकर्षित कर,
सबकी नज़रों को भा जाए।"

गोल्डस्टोन डियो शॉप

स्क्रैच करने पर पा सकते हैं
अपने मनपसंद टी.वी. स्टार
से मिलने का मौका

OR

सेल	सेल	सेल

PWN गारमेंट्स

कपड़ों की शानदार सेल

- सभी वस्त्रों पर 50% डिस्काउंट
- सुंदर व आकर्षक डिज़ाइन सेल
- सभी वर्गों के लोगों के लिए उपलब्ध
- सीमित समय के लिए

"""पहले आएँ पहले पाएँ"""

संपर्क करें : PWN गारमेंट्स, 94 मोती नगर, दिल्ली
फोन. नं. 98432363xx